रंग बरसे लाल गुलाल हो गुलाल वृषभानलली के मन्दिर में

धुन: जय जय गोवर्धन महाराज भजन पर

रंग बरसे लाल गुलाल, हो गुलाल, वृषभानलली के मन्दिर में।
सब हो गए लालों लाल, राधा रानी के मन्दिर में ॥

भीगे चुनरी चोली दामन ।
मुख हो गए लाल गुलाल, हो गुलाल - वृषभानलली...

सुन सुन कर साजों की सरगम ।
सब नाचें बजाकर ताल - हो ताल - वृषभानलली...

राधा रूप छटा मन मोहिनी ।
कर दरस हो मनवा निहाल - निहाल - वृषभानलली...

मन 'मधुप' डूबा रंग रस में ।
सब बोलें जय जयकार - जयकार - वृषभानलली...

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : चित्र विचित्र

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33358/title/rang-barse-laal-gulal-ho-gulal-vrishbhanu-ke-mandir-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |